भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2100
सोमवार, 2 दिसम्बर, 2019/11 अग्रहायण, 1941 (शक)

बढ़ती बेरोजगारी

2100. श्री कोडिकुन्नील सुरेशः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को देश में बढ़ती बेरोजगारी की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और बेरोजगारी में वृद्धि के प्रथम दृष्टया किन कारणों का पता चला है;

(ग) सरकार ने देश में रोजगार सृजन हेतु क्या कदम उठाए हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और गत पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान इस संबंध में सरकार द्वारा कार्यान्वित किए गए सफल कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने देश में सरकारी क्षेत्र में रोजगार प्रदान किया है; और

(च) यदि हां, तो गत पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तत्संबंधी विभाग-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क एवं ख): राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 2017-18 के दौरान आयोजित किए गए वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) तथा श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा आयोजित किए गए रोजगार-बेरोजगारी संबंधी वार्षिक सर्वेक्षण के परिणामों के अनुसार, 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की सामान्य स्थिति (प्रमुख स्थिति+सहायक स्थिति) आधार पर उपलब्ध सीमा तक अनुमानित बेरोजगारी दर नीचे दी गई हैः

बेरोजगारी की दर (% में)	
सर्वेक्षण	अखिल भारत
2017-18 (पीएलएफएस)	6.0%
2015-16 (श्रम ब्यूरो)	3.7%
2013-14 (श्रम ब्यूरो)	3.4%

(टिप्पणीः पीएलएफएस एवं श्रम ब्यूरो सर्वेक्षण में सर्वेक्षण की कार्य-पद्धति तथा प्रतिदर्श का चयन अलग-अलग है।)

(ग एवं घ): नियोजनीयता में सुधार करते हुए रोजगार का सृजन करना सरकार की प्राथमिकता रही है। सरकार ने देश में रोजगार का सृजन करने के लिए अर्थव्यवस्था के निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने, पर्याप्त निवेश वाली विभिन्न परियोजनाओं को गति प्रदान करने और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस), पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) तथा दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) जैसी योजनाओं पर सार्वजनिक व्यय में वृद्धि करने जैसे विभिन्न कदम उठाए हैं।

सरकार ने स्व-रोजगार को सुकर बनाने के लिए, अन्य बातों के साथ-साथ, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) आरंभ की है। पीएमएमवाई के अंतर्गत सूक्ष्म/लघु व्यापारिक उद्यमों तथा व्यक्तियों को अपने व्यापारिक कार्यकलापों को स्थापित करने अथवा विस्तार करने में समर्थ बनाने के लिए 10 लाख रुपए तक का गैर-जमानती ऋण प्रदान किया जाता है।

सरकार ने राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) परियोजना को कार्यान्वित किया है, जिसमें एक ऐसा डिजिटल पोर्टल शामिल है जो गतिशील, दक्ष एवं सकारात्मक ढंग से योग्यता अनुरूप रोजगार हेतु रोजगार चाहने वालों एवं नियोक्ताओं के लिए एक राष्ट्र-व्यापी ऑनलाइन मंच प्रदान करता है तथा इसमें रोजगार चाहने वालों हेतु आजीविका संबंधी विषय-वस्तु का भंडार है।

स्किल इंडिया मिशन के अंतर्गत, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय देश भर में चार वर्षों अर्थात् 2016-2020 तक 12,000 करोड़ के परिव्यय से अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) एवं पूर्व सीखने को मान्यता (आरपीएल) के तहत एक करोड़ व्यक्तियों को कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 2016-20 नामक एक फ्लैगशीप योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। 11.11.2019 की स्थिति के अनुसार, देश में पीएमकेवीवाई 2016-20 के अंतर्गत 69.03 लाख (लगभग) अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।

(ड. एवं च): जनशक्ति आयोजन एवं केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसईएस) का रोजगार उनकी व्यावसायिक योजनाओं के उद्देश्य और लक्ष्यों, प्रचलित व्यावसायिक दशाओं और आवश्यकताओं तथा अन्य कारकों जैसे भावी संचालन, विस्तार/निवेश योजना, सेवानिवृत्ति, क्षयण आदि के अनुरूप रखा जाता है। सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय द्वारा आयोजित किए गए सार्वजनिक उद्यम सर्वेक्षण के अनुसार, विगत पांच वर्षों के दौरान उपलब्ध सीमा तक उद्योग-वार और राज्य-वार रोजगार अनुबंध- I एवं II में दिया गया है।

अनुबंध-I

लोक सभा के दिनांक 02.12.2019 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2100 के भाग (ड. एवं च) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसईएस) में उद्योग-वार रोज़गार के ब्यौरे

(संख्या में रोजगार)

क्र.सं.	उद्योग समूह	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
1	कृषि आधारित उद्योग	3131	3188	2864	3119	2290
2	कोयला	294657	306136	318365	328994	342991
3	कच्चा तेल	41319	43173	43754	43269	44865
4	अन्य खनिज और धातु	29088	30137	31203	31912	33032
5	इस्पात	96137	102397	108397	113514	118440
6	पेट्रोलियम (रिफाइनरी और मार्केटिंग)	60013	60473	64757	64893	66257
7	उर्वरक	9977	10563	11217	11894	12706
8	रसायन और फार्मास्यूटिकल्स	5504	6042	6283	5397	5969
9	भारी और मध्यम इंजीनियरिंग	104440	109495	90742	96507	104506
10	परिवहन वाहन और उपकरण	7722	8221	55521	57841	60409
11	औद्योगिक और उपभोक्ता सामान	31887	31317	17816	18761	20142
12	कपड़ा	8871	8957	9017	9573	10165
13	विद्युत उत्पादन	60034	62095	64700	66890	69282
14	विद्युत ट्रांसमिजन	8940	8924	8298	8501	8781
15	व्यापार और विपणन	27242	28937	78981	84581	85221
16	परिवहन और रसद सेवाएँ	54197	49133	41426	47144	51673
17	अनुबंध और निर्माण एवं टेक। परामर्शदात्री सेवाएं	26957	27061	28735	28698	29206
18	होटल और पर्यटक सेवाएँ	3297	3978	4004	4515	4868
19	वित्तीय सेवाएं	3099	3140	3246	3237	3278
20	दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी	210216	225894	242835	259921	275412
21	निर्माणाधीन उद्यम	1412	1579	1457	2013	1813
	कुल योग :	**1088140**	**1130840**	**1233618**	**1291174**	**1351306**

स्रोत: सार्वजनिक उद्यम सर्वेक्षण, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय

अनुबंध- II

लोक सभा के दिनांक 02.12.2019 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2100 के भाग (ङ एवं च) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) में रोजगार का राज्य-वार विवरण

(रोजगार संख्या में)

क्र.सं.	राज्य/सीपीएसई	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1124	983	1227	1366	1250
2.	आंध्र प्रदेश	50174	51472	58017	62502	78938
3.	अरुणाचल प्रदेश	1494	1563	8237	1629	2390
4.	असम	35938	36647	35752	42722	43691
5.	बिहार	12254	13015	15201	16246	17200
6.	चंडीगढ़	582	582	941	1132	1049
7.	छत्तीसगढ़	77365	81464	79056	82319	85485
8.	दादरा और नगर हवेली	77	81	88	60	82
9.	दमन और दीव	50	22	21	43	11
10.	दिल्ली	55935	53824	58640	57797	77816
11.	गोवा	3457	3221	3432	3473	3341
12.	गुजरात	34640	34923	36181	36954	38720
13.	हरयाणा	16779	17339	20798	21777	19571
14.	हिमाचल प्रदेश	6323	6429	6773	7301	7640
15.	जम्मू और कश्मीर	5840	5762	6770	7096	7696
16.	झारखंड	127252	133107	140036	147122	152427
17.	कर्नाटक	57435	58214	62280	64153	67407
18.	केरल	27906	26011	29208	30506	32843
19.	लक्षद्वीप	154	0	0	1	5
20.	मध्य प्रदेश	63448	66160	78735	82249	85826
21.	महाराष्ट्र	125404	130355	144687	152452	145398
22.	मणिपुर	589	612	571	636	712
23.	मेघालय	1071	1101	1250	1282	1382
24.	मिजोरम	236	210	216	231	251
25.	नगालैंड	553	415	701	907	944
26.	ओडिशा	60034	60856	64287	65351	67027
27.	अन्य और गैर-आबंटित	28655	51979	23730	25332	31557
28.	पांडिचेरी	2013	1897	1848	1646	1844
29.	पंजाब	14525	15016	27715	29747	30899
30.	राजस्थान	18796	19171	21625	22672	22943
31.	सिक्किम	513	522	553	606	625
32.	तमिलनाडु	64772	57110	73615	79442	84608
33.	तेलंगाना	17916	18375	18564	19172	-
34.	त्रिपुरा	1674	1502	1610	1549	1544
35.	उत्तर प्रदेश	47989	57563	65440	69175	73509
36.	उत्तरांचल	13372	13953	15607	16233	17338
37.	पश्चिम बंगाल	111801	109384	130206	138293	147337
	कुल योग	**1088140**	**1130840**	**1233618**	**1291174**	**1351306**

स्रोत: सार्वजनिक उद्यम सर्वेक्षण, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय